



Jayant



Garima

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121199101

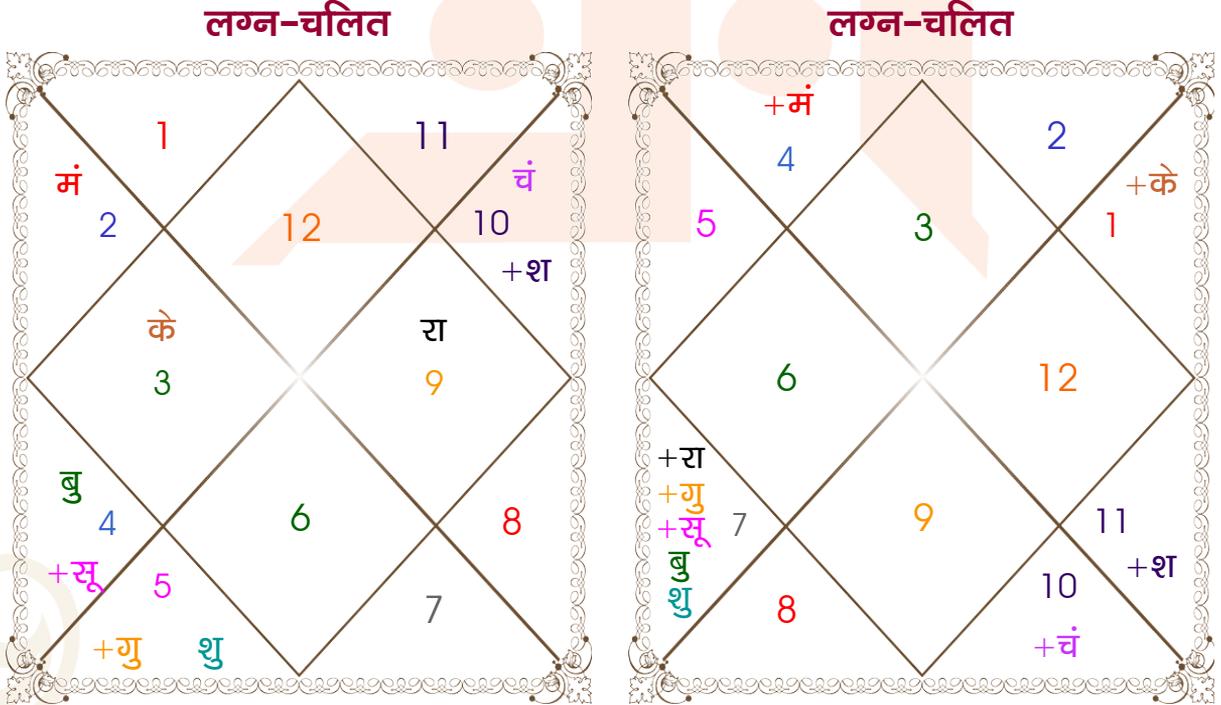
पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
11/08/1992 :	जन्म तिथि	: 10/11/1994
मंगलवार :	दिन	: गुरुवार
घंटे 20:58:00 :	जन्म समय	: 20:15:00 घंटे
घटी 37:20:40 :	जन्म समय(घटी)	: 34:06:56 घटी
India :	देश	: India
Indore :	स्थान	: Indore
22:42:00 उत्तर :	अक्षांश	: 22:42:00 उत्तर
75:54:00 पूर्व :	रेखांश	: 75:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:24 :	स्थानिक संस्कार	: -00:26:24 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:01:44 :	सूर्योदय	: 06:36:13
19:00:57 :	सूर्यास्त	: 17:44:21
23:45:32 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:47:18
मीन :	लग्न	: मिथुन
गुरु :	लग्न लग्नाधिपति	: बुध
मकर :	राशि	: मकर
शनि :	राशि-स्वामी	: शनि
उत्तराषाढा :	नक्षत्र	: धनिष्ठा
सूर्य :	नक्षत्र स्वामी	: मंगल
3 :	चरण	: 2
आयुष्मान :	योग	: वृद्धि
गर :	करण	: बव
जा-जामवंत :	जन्म नामाक्षर	: गी-गीता
सिंह :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: वृश्चिक
वैश्य :	वर्ण	: वैश्य
जलचर :	वश्य	: जलचर
नकुल :	योनि	: सिंह
मनुष्य :	गण	: राक्षस
अन्त्य :	नाड़ी	: मध्य
सिंह :	वर्ग	: मार्जार

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 1वर्ष 10मा 0दि	03:54:19	मीन	लग्न	मिथु	03:33:54	मंगल 4वर्ष 3मा 15दि
राहु	25:26:10	कर्क	सूर्य	तुला	24:11:24	गुरु
13/06/2011	05:55:25	मक	चंद्र	मक	28:29:25	25/02/2017
12/06/2029	16:49:02	वृष	मंगल	कर्क	25:04:09	25/02/2033
राहु 23/02/2014	12:20:00	कर्क व	बुध	तुला	06:19:19	गुरु 15/04/2019
गुरु 18/07/2016	23:29:11	सिंह	गुरु	तुला	29:51:09	शनि 26/10/2021
शनि 25/05/2019	11:37:27	सिंह	शुक्र व	तुला	12:08:30	बुध 01/02/2024
बुध 12/12/2021	21:03:41	मक व	शनि	कुंभ	11:53:33	केतु 07/01/2025
केतु 30/12/2022	06:02:00	धनु व	राहु	तुला	21:00:57	शुक्र 08/09/2027
शुक्र 30/12/2025	06:02:00	मिथु व	केतु	मेष	21:00:57	सूर्य 26/06/2028
सूर्य 24/11/2026	20:59:03	धनु व	हर्ष	धनु	29:15:23	चन्द्र 26/10/2029
चन्द्र 25/05/2028	22:58:40	धनु व	नेप	धनु	27:12:09	मंगल 02/10/2030
मंगल 12/06/2029	26:25:43	तुला	प्लूटो	वृश्चि	03:47:15	राहु 25/02/2033

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

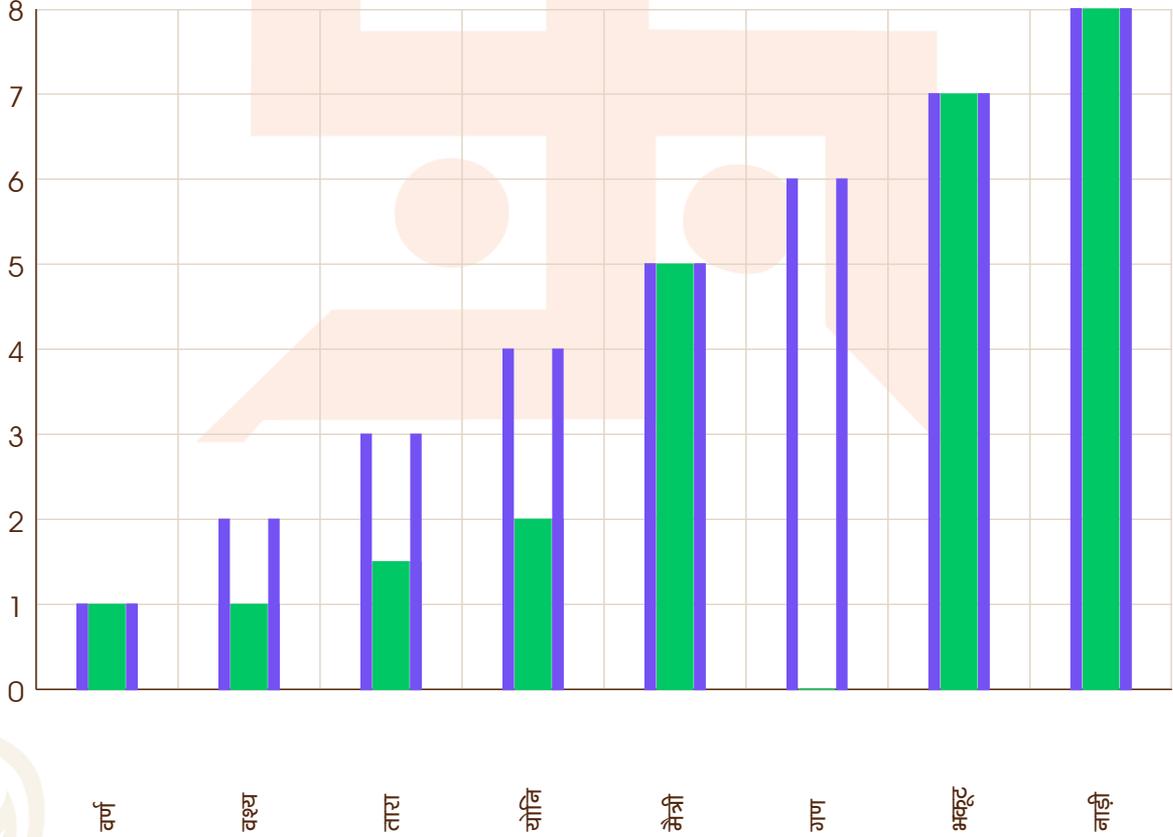
23:45:32 चित्रपक्षीय अयनांश 23:47:18



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	नकुल	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मकर	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाडी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.50		

कुल : 25.5 / 36



अष्टकूट मिलान

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।
श्रंलंदज का वर्ग सिंह है तथा ळंतपउं का वर्ग मारुजर है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार श्रंलंदज और ळंतपउं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

श्रंलंदज मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लगन कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।
ळंतपउं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लगन कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।
श्रंलंदज तथा ळंतपउं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

श्र्लंदज का वर्ण वैश्य है तथा लंतपउं का वर्ण भी वैश्य है। इसमें दोनों का वर्ण समान है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इसके कारण श्र्लंदज और लंतपउं दोनों की सोच भौतिकवादी सोच होगी तथा रूपये-पैसे को ज्यादा महत्व देंगे। श्र्लंदज और लंतपउं दोनों मितव्ययी होंगे तथा भविष्य के लिए धन का संचय करना पसन्द करेंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विचारों का सम्मान कर तथा आपस में विचार-विमर्श करके ही बुद्धिमत्तापूर्वक निवेश करेंगे।

वश्य

श्र्लंदज का वश्य चतुष्पद अर्थात् पशु है एवं लंतपउं का वश्य जलचर है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। पशु एवं जलचर दोनों का साथ-साथ प्रकृति में सह अस्तित्व होता है। इसलिये दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार एवं पसन्द/नापसन्द अलग-अलग होंगे। जिसके फलस्वरूप दोनों शायद ही कभी एक-दूसरे को नुकसान पहुंचायेंगे। श्र्लंदज एवं लंतपउं दोनों अपने-अपने अलग कर्तव्य एवं उत्तरदायित्व निभाते रहेंगे। इस मिलान में श्र्लंदज एवं लंतपउं दोनों एक-साथ प्रेमपूर्वक अपने कर्तव्य एवं उत्तरदायित्व का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

श्र्लंदज की तारा मित्र तथा लंतपउं की तारा विपत है। लंतपउं की तारा विपत होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। यह मिलान श्र्लंदज एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्य एवं नुकसान का कारण बन सकता है। परन्तु कड़े एवं लगातार प्रयासों के बाद परिणाम सुखदायी हो सकता है। संभव है कि लंतपउं का रुख सहयोगात्मक नहीं हो तथा आपसी विश्वास, प्रेम एवं समझ की कमी बनी रहे। अक्सर पति एवं पत्नी के बीच संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े रह सकते हैं तथा बच्चे भी इसका गलत फायदा उठावेंगे। जिसके कारण संभव है कि बच्चे योग्य एवं आज्ञाकारी नहीं हों।

योनि

श्र्लंदज की योनि नकुल है तथा लंतपउं की योनि सिंह है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात् सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से

कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात् मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात् धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में श्रंलंदज एवं ळंतपउं दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि श्रंलंदज एवं ळंतपउं दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

गण

श्रंलंदज का गण मनुष्य तथा ळंतपउं का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। अतः ळंतपउं का निर्दयी, निष्ठुर एवं कड़ा स्वभाव रहेगा जिसके कारण श्रंलंदज एवं उसके परिवार के सदस्यों का जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है। साथ ही पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा बना रह सकता है। जिसके कारण तलाक एवं मुकदमे की संभावना भी बन सकती है।

भकूट

श्रंलंदज एवं ळंतपउं दोनों की राशि एक समान ही है इसलिये यह अति उत्तम मिलान है। ऐसा मिलान श्रंलंदज एवं ळंतपउं तथा परिवार के चतुर्दिक विकास के मार्ग को प्रशस्त करता है। इन्हें अनेक रूपों में ईश्वरीय कृपा जैसे - सौभाग्य, सम्पत्ति, समाज में मान-सम्मान तथा योग्य संतान आदि प्राप्त होगी।

नाड़ी

श्रंलंदज की नाड़ी अन्त्य है तथा ळंतपउं की नाड़ी मध्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात् यह मिलान अति

उत्तम मिलान है। अन्त्य एवं मध्य नाड़ी दो महत्वपूर्ण जीवनी शक्तियों पित्त एवं कफ की कारक हैं। जिसके कारण दम्पति का परस्पर प्रेम, अनुकूलता, अच्छा भविष्य, सहयोग की भावना बनी रहेगी। आपकी संतान शक्तिशाली, बुद्धिमान, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।



मेलापक फलित

स्वभाव

श्र्लंदज एवं ळंतपउं की राशि पृथ्वीतत्व युक्त मकर राशि है। अतः राशितत्व में समानता के कारण इनके मध्य स्वभावगत समानता रहेगी जिससे दाम्पत्य संबंधों में अनुकूल रहेगी तथा वैवाहिक जीवन सुखपूर्वक व्यतीत होगा। अतः यह मिलान उत्तम रहेगा।

श्र्लंदज और ळंतपउं दोनों की राशि का स्वामी ग्रह शनि है। अतः दोनों के मध्य प्रगाढ़ मित्रता तथा अपनत्व का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति प्रेम सहानुभूति तथा समर्पण का भाव होगा। साथ ही सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सुख तथा सहयोग प्रदान करेंगे। श्र्लंदज और ळंतपउं दोनों एक दूसरे की मुक्त भाव से प्रशंसा करेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे। इससे प्रेम संबंधों में दृढ़ता रहेगी एवं वैवाहिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

श्र्लंदज और ळंतपउं की राशियां परस्पर प्रथम भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से श्र्लंदज और ळंतपउं एक दूसरे के प्रतित्याग की भावना रखेंगे तथा सम्मान पूर्वक अस्तित्व को स्वीकार करेंगे एवं व्यक्तिगत मामलों में परस्पर हस्तक्षेप कम ही करेंगे। अतः दाम्पत्य जीवन का पूर्ण आनंद तथा सुख बना रहेगा तथा आपस में विश्वास सम्मान एवं आत्मीयता का भाव भी रहेगा।

श्र्लंदज का वश्य चतुष्पद एवं ळंतपउं का वश्य जलचर है। चतुष्पद तथा जलचर की परस्पर मित्रता एवं समानता रहती है। अतः श्र्लंदज और ळंतपउं की अभिरुचियां तथा आवश्यकताओं में समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर शुभ मिलान होगा। साथ ही कामसंबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे जिससे परस्पर संबंधों में मधुरता विद्यमान रहेगी।

श्र्लंदज एवं ळंतपउं का वर्ण वैश्य है। अतः धनार्जन के प्रति दोनों की बराबर रुचि रहेगी तथा धन को विशेष महत्व प्रदान करेंगे। साथ ही समस्त कार्यों को व्यापारिक बुद्धि से सम्पन्न करेंगे।

धन

श्र्लंदज और ळंतपउं दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा

आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

श्र्लंदज की नाड़ी अन्त्य तथा ळंतपउं की नाड़ी मध्य है। अतः अलग अलग नाड़ियों में उत्पन्न होने के कारण नाड़ी दोष से ये मुक्त रहेंगे। इसके प्रभाव से इनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यों को परिश्रम एवं पराकम से सिद्ध करने में समर्थ होंगे। साथ ही मंगल भी इन दोनों के लिए शुभ ही रहेगा तथा इनके स्वास्थ्य पर इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। अतः इनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। इस प्रकार उत्तम वैवाहिक जीवन के लिए यह मिलान श्रेष्ठ रहेगा।

संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि से श्र्लंदज और ळंतपउं का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति ळंतपउं के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्यमान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः ळंतपउं को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विध्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबंधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुंदर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

श्र्लंदज और ळंतपउं बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतः श्र्लंदज और ळंतपउं का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

ळंतपउं के सास से प्रायः अच्छे संबंध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत ळंतपउं के लिए अनुकरणीय हो सकते हैं। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

ळंतपउं अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबंध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार ळंतपडं के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

श्रंलंदज के अपनी सास से संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण इनमें विचार वैभिन्यता रहेगी लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता का व्यवहार करें तो उपरोक्त मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा संबधों में वृद्धि के भी अवसर बनेंगे।

साथ ही ससुर से भी परस्पर संबधों में विवाद तथा तनाव युक्त वातावरण रहेगा जिससे न ही श्रंलंदज उनको यथोचित मान सम्मान प्रदान करेंगे तथा वे भी इन्हें विशेष अपनत्व तथा स्नेह का भाव अल्प ही प्रदान करेंगे। लेकिन साले एवं सालियों से संबध अच्छे रहेंगे तथा परस्पर स्नेह सहयोग तथा सहानुभूति का भाव रहेगा। इनके संबधों में मित्रता का भाव भी रहेगा जिससे परस्पर मुक्त भाव से वार्तालाप होता रहेगा। इस प्रकार ससुराल वालों का दृष्टिकोण श्रंलंदज के प्रति अनुकूल रहेगा तथा उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में नित्य प्रयत्नशील रहेंगे।